केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 36 बुधवार 28 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा ढही, पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में समुद्र तट पर राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा यह अचानक ढह गई। बताया जा रहा है कि कोंकण क्षेत्र में तटीय जिले के मालवन शहर में घटिया निर्माण कार्य के कारण यह घटना हुई। इस प्रतिमा का उद्घाटन पिछले साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी धूमधाम से किया था। प्रतिमा के ढहने से सिंधुदुर्ग जिले के शिव प्रेमियों में गुस्से की लहर फैल गई। मालवन तहसील के राजकोट में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा 35 फीट ऊंची थी। पीएम मोदी ने वार्षिक नौसेना दिवस समारोह के अवसर पर 4 दिसंबर, 2023 को एक समारोह में उद्घाटन किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण सोमवार दोपहर अचानक शिवाजी की प्रतिमा ढह गई। महज 8 महीने में प्रतिमा के ढहने से जिले के शिवप्रेमियों में गुस्से की लहर है। वे लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए और आरोप लगाया कि यह घटिया निर्माण कार्य के कारण गिरी है। राज्य पीडब्ल्यूडी विभाग ने प्रतिमा के आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर 5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मालवन की तहसीलदार वर्षा जाल्टे बाकी सरकारी अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर हैं। उन्होंने नौसेना को घटना के बारे में सूचित किया है।

इस बीच, घटनास्थल का दौरा करने वाले विधायक वैभव नाइक ने इस घटना पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसके उद्घाटन के 8 महीने के भीतर ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई। उन्होंने घटना की जांच कराने की मांग की। सावंतवाड़ी के पूर्व नागरिक अध्यक्ष प्रेमानंद सालगांवकर ने मांग की कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नैतिक आधार पर पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। बताया जा रहा है कि विशेषज्ञ प्रतिमा के ढहने के वास्तविक कारण का पता लगाएंगे। यह जरूर है कि जिले में बीते दो–तीन दिनों में भारी बारिश हुई है और तेज हवाएं चली हैं। पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे और क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है।

के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नयी दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग मामलों में बीआरएस नेता के. कविता को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से सवाल किया कि उनके पास यह साबित करने के लिए क्या 'सामग्री' है कि के. कविता कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में शामिल थीं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ इस कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग मामलों में जमानत देने का अनुरोध करने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इन मामलों की जांच सीबीआई और ईडी कर रही है।

कविता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने यह कहते

हुए जमानत देने का अनुरोध किया कि उनकी मुवक्किल के खिलाफ दोनों एजेंसियों की जांच पूरी हो गयी है। उन्होंने दोनों मामलों में सह आरोपी एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया।

जांच एजेंसियों की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने दावा किया कि कविता ने अपना मोबाइल फोन 'फॉर्मेट'ध नष्ट किया था तथा उनका आचरण सबूतों से छेड़छाड़ करने वाला था। रोहतगी ने इस आरोप को 'फर्जी' बताया।

होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में अन्डमान निकोबार में सम्मानित किये जायेंगे डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में तीन दशक से निरन्तर सेवा के साथ ही शोध क्षेत्र में सक्रिय जिला अस्पताल में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा को आगामी 29 अगस्त को केन्ट होम्योपैथी मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल अन्डमान निकोबार में आयोजित होम्योपैथिक सम्मेलन में डा. एच.पी. सिंह मेमोरियल एवार्ड से सम्मानित किया जायेगा।

डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि केन्ट होम्योपैथी मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल अन्डमान निकोबार में आयोजित सम्मेलन में देश विदेश के अनेक वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक हिस्सा लेंगे और अपना शोध पत्र

–पथरी रोग पर प्रस्तुत करेंगे शोध पत्र

प्रस्तुत करेंगे। बताया कि वे गुर्दे एवं पित्त की पथरी रोग में होम्योपैथिक औषधियों की भूमिका पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। ज्ञात रहे कि डा. वर्मा देश के अनेक होम्योपैथिक सम्मेलनों में अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने की मांगः प्राथमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराये जाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का चरणबद्ध अभियान जारी है। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में तहसील अध्यक्ष प्रताप नारायण चौधरी और शिक्षकों के प्रतिनिधिमण्ड़ल ने उप जिलाधिकारी भानपुर को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि गैर मान्यता विद्यालयों को बंद कराया जाय। ऐसे मान्यता प्राप्त विद्यालय जो मानक पूर्ण नहीं करते हैं उनको बंद कराने तथा विधिक कार्यवाही करने के संबंध में पत्र व विद्यालयों की सूची भी सौंपा ।

जनपदीय मंत्री बालकृष्ण ओझा ने उपजिलाधिकारी भानपुर को बताया कि तहसील भानपुर के ब्लॉक रामनगर और सल्टौआ में बड़ी संख्या में गैर मान्यता विद्यालयों का भरमार हो चुका है । गैर मान्यता विद्यालय अभिभावकों का किताबें ,ड्रेस और अन्य सुविधाओं के नाम पर शोषण करते हैं । मान्यता न होने के बावजूद भी वह अपने विद्यालयों का संचालन कर रहे हैं। गैर मान्यता विद्यालय खुलने से परिषदीय विद्यालयों में नामांकन पर भी प्रभाव पड़ रहा है ।

संघ के तहसील अध्यक्ष प्रताप नारायण चौधरी ने बताया कि सल्टौआ के 52 तथा रामनगर के 15 विद्यालयों की सूची उप जिलाधिकारी को संबोधित पत्र के साथ दिया गया है और संघ ने मांग किया है कि तहसील से कमेटी बनाकर ऐसे विद्यालयों को बंद करते हुए उन पर विधिक कार्यवाही कराया जाय।

उपजिलाधिकारी ने वार्ता के दौरान शीघ्र ही कमेटी बनाकर कार्यवाही का आश्वासन दिया। पत्र सौंपने वालों में जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, ब्लॉक मंत्री विवेक सिंह, विजय कुमार, रोहित कुमार, अशोक भट्ट,दिलीप द्विवेदी,राजेश द्विवेदी, मोतीलाल,बबलू शंकर ,धर्मराज यादव,प्रद्युम्न द्विवेदी, मनीष कुमार, गोविन्द, हरिशंकर, विशाल यादव, प्रभाकर पटेल, संतोष कुमार, ज्ञानेंद्र , मेराज आलम अंसारी, ओमवीर सिंह, उमेश चंद्र भारती, अशोक चौधरी, आनंद कुमार पाण्डेय आदि शामिल रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये विष्णु मोहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ के मुख्य संरक्षक विष्णु मोहन गोपाल प्रजापति को उनके चतुर्थ पुण्य तिथि पर बैरिहवां मोहल्ले में जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार प्रजापति के संयोजन में याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि विष्णु मोहन प्रजापति जीवन के आखिरी सांस तक प्रजापति समाज के उत्थान के लिये समर्पित रहे। युवा पीढी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि समय बदल गया है, कुम्भकार समाज का पारम्परिक उद्योग खतरे में हैं ऐसे में हमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर पर जागरूकता बढानी होगी यही विष्णु मोहन प्रजापति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विष्णु मोहन प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ ही कृष्ण कुमार प्रजापति, राम मिलन प्रजापति, अमित प्रकाश, पदुमनाथ प्रजापति, पुरूषोत्तमनाथ, राम उजागिर, महेन्द्रनाथ, नरेन्द्रनाथ, रेणुका देवी, फुलेश्वरी देवी, अनीता प्रजापति, प्रियंका, आराधना, चारू, श्याली, अंश्किा, मिताली, पूनम प्रजापति, शम्भूदत्त, शिवेन्द्रदत्त, शिवांश दत्त, श्रेयांश, जर्नादन प्रजापति, अनिल, राधेश्याम प्रजापति, सन्तोष कुमार, राहुल, नन्हे, शैलेन्द्र, विजेन्द्र, भोला के साथ ही महासंघ के पदाधिकारियों ने उन्हें याद किया।

लेटरेल एन्ट्री के माध्यम से पूर्व की नियुक्तियों को रद्द करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती । जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शहनवाज आलम के निर्देश पर मंगलवार को कमेटी के जिलाध्यक्ष सद्दाम हुसेन, प्रदेश सचिव डा. मारूफ अली के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं, अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि लेटरेल एन्ट्री के माध्यम से पूर्व में जिन लोगों की नियुक्त की गई है उन्हें पद से हटाने के साथ ही वेतन की वसूली किया जाय।

प्रधानमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी और इण्डिया गठगंधन के नेताओं के विरोध के फलस्वरूप केन्द्र की मोदी सरकार ने लेटरेल एन्ट्री के माध्यम से 45 नियुक्तियों को वापस ले लिया। यह फैसला सराहनीय है किन्तु 2019 से अब तक लेटरेल एन्ट्री के माध्यम से जिन 63 लोगों की नियुक्तियां हुई हैं उन्हें रद्द किया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व की नियुक्तियां स्वतः अवैध हो जाती है। इन 63 में से 6 लोग तो सरकार से मोटा वेतन लेकर भाग चुके हैं।

ज्ञापन सौंपने वालों में गिरजेश पाल, अतीउल्ला सिद्दीकी, अवधेश सिंह, रामधीरज चौधरी, मधुबन चौहान, अनिल त्रिपाठी, राजेन्द्र कुमार मोदनवाल, मोहम्मद आशिफ, मो. समीर, मोहम्मद सैफ, शमीम अहमद, गंगेश कुमार, अनुज यादव, अली हुसेन, इन्सान अली, नियाज अहमद के साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अनेक पदाधिकारी, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विहिप के 60 वें स्थापना दिवस पर हिन्दू सम्मेलन 1 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू परिषद का 60वां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया जायेगा।

प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता के दौरान विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री कुंवर नागेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर 1 सितम्बर दिन शनिवार को सायं 4 बजे सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग में 'हिन्दू सम्मेलन' आयोजित किया जायेगा। जिसके मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय होंगे।

श्री सिंह ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को हुई थी। विश्व हिन्दू परिषद के 60 वर्ष पूरे होने पर जनपद के समस्त प्रखण्डों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। विश्व हिन्दू परिषद हिन्दू समाज को एकसूत्र में बांधने का प्रयास कर रहा है और हिन्दू समाज के हितों के लिए सदा प्रतिबद्ध है।

नगर अध्यक्ष अगम सिंह ने कहा कि यह बहुत गौरव की बात है कि स्थापना दिवस के अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय उपाध्यक्ष का आगमन जिले में हो रहा है। उनके उद्बोधन से निश्चित ही हिन्दू समाज को प्रेरणा मिलेगी।

प्रेस वार्ता के दौरान जिला उपाध्यक्ष सुनीत कुमार पाण्डेय, जिला मंत्री प्रमोद, जिला सह मंत्री महेन्द्र शंकर, नगर मंत्री विनय आदि उपस्थित रहे।

कान्हा गौशाला में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूमः नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया गोवंश का पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका परिषद परिसर में स्थित कान्हा गौशाला में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कान्हा गौशाला और पालिका अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ विधि विधान से गोवंश की पूजा किया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण को गोवंश सबसे प्यारा है, बाल्यकाल में वे गाय चराने जाते हैं। गाय को गो माता का दर्जा प्राप्त है। उन्होने निर्देश दिया कि कान्हा गौशाला में गोवंश की सेवा में कोई कमी न रहने पाये। कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार गौशालाओं के बेहतर ढंग से संचालन के लिये प्रतिबद्ध है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के लीलाओं का मूल मंत्र यही है कि परिस्थितियां चाहे जितनी प्रतिकूल हों हमें मुस्कुराना नहीं छोड़ना चाहिये। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व प्रति वर्ष हमें नवीन ऊर्जा प्रदान करता है।

इस अवसर पर अपर निदेशक पशुपालन नेमपाल सिंह,

पशुपालन अधिकारी डा. राजेश त्रिपाठी, उप पशुपालन अधिकारी डॉ सीमा भारती, कर निर्धारण अधिकारी उदय भान, सभासद परमेश्वर शुक्ल,कृष्ण कुमार पाण्डेय, सफाई इंस्पेक्टर दिनेश वर्मा, गौशाला प्रभारी विनोद पाण्डेय, गिरीश सिंह, गणेश सिंह, अजय शुक्ला, अश्वनी श्रीवास्तव के साथ ही अनेक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे ।

विधि विधान से श्री राधा कृष्ण मंदिर का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–जन सहयोग से पूरे होंगे आस्था और विकास के संकल्प– बसन्त

बस्ती। राधाकृष्ण पुरम बरगदवा, पचमोहनी पेट्रोल पम्प सल्टौआ गोपालपुर के निकट श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्री राधा कृष्ण मंदिर का शिलान्यास विधि विधान से वैदिक मंत्रों के बीच किया गया।

सोमवार 26 अगस्त को प्रातः 9 बजे कलश यात्रा निकाली गई। भक्ति गीतों के साथ कलश यात्रा क्षेत्र भ्रमण कर पुनः शिलान्यास स्थल पर पहुंची। दोपहर 2 बजे भूमि पूजन के साथ श्री राधा कृष्ण मंदिर का शिलान्यास वैदिक रीति से सम्पन्न हुआ। । सायं 5 बजे भजन संध्या के साथ रात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया।

आयोजक बसन्त चौधरी ने बताया कि श्री राधा कृष्ण मंदिर का निर्माण क्षेत्रीय जनता के सहयोग से किया जा रहा है। स्वामी नरायन छपिया के संतों ने भी आकर आशीर्वाद दिया। कहा कि जन सहयोग से आस्था और विकास के संकल्प पूरे होंगे।

श्री राधा कृष्ण मंदिर का शिलान्यास अवसर पर आचार्य अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि शिलान्यास का मूल कार्यक्रम 19 अगस्त को ही हुआ और उत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर किया गया। इस अवसर पर डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल, बस्ती के सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' अनिरूद्ध त्रिपाठी के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 अगस्त 2024 बुधवार

सम्पादकीय

पुरानी पेंशन, नई पेंशन

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घोषणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू–कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोषित है और साल के अंत तक महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था। कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था। हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया। निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई। तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी। निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था। जिसके चलते इस योजना को वर्ष 2004 में समाप्त किया गया था। फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था।

दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है। जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं राजकोषीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा। दरअसल, विपक्षी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन–मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी। बहरहाल, यह लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि जन दबाव में सरकार को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। निस्संदेह, पूरा जीवन राजकीय सेवा में लगाने वाला कर्मचारी रिटायर होने के बाद आर्थिक असुरक्षा में घिर जाता है। वह भी तब जब देश में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं नगण्य हैं। सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सीमित होने,बढ़ती उम्र की बीमारियों के दबाव तथा बच्चों की अनदेखी के चलते पूर्व कर्मियों को उपेक्षित जीवन जीने को बाध्य होना पड़ता है। यही वजह है कि देश में एकीकृत पेंशन योजना को सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। विपक्षी दल भी विरोध करने के बजाय कह रहे हैं कि उनकी मुहिम से ही यह पेंशन योजना अस्तित्व में आयी। यह सुखद ही है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिये कर्मचारी हित में सकारात्मक बदलाव संभव हुआ। आगामी वर्ष में एक अप्रैल को लागू होने वाले इस फैसले से केंद्र के 23 लाख कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद योजना का लाभ मिलेगा, और यदि राज्य योजना को लागू करते हैं तो इसका लाभ करीब नब्बे लाख कर्मचारियों को मिलेगा। वहीं कर्मचारियों के लिये एनपीएस के विकल्प भी खुले रहेंगे। दूसरी ओर सरकार को निजी क्षेत्र के करोड़ों कर्मचारियों की वित्तीय असुरक्षा को महसूस करते हुए उन्हें नई पेंशन का लाभ देने की दिशा में भी गंभीरता से सोचना चाहिए। बहरहाल, केंद्र सरकार ने मध्यम वर्ग को एक राहत देने की कोशिश की है।

पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा के निहितार्थ

—ज्योति मल्होत्रा—

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव के एक बगीचे में लगी महात्मा गांधी की मूर्ति को श्रद्धा सुमन भेंट करने के अवसर पर कुछ अति उत्साही भारतीयों द्वारा 'हर–हर मोदी' और 'जय श्री राम' के नारे लगाने से माहौल की संजीदगी को कुछ हद तक ठेस पहुंची होगी। कुछ मिनट बाद, रूस–यूक्रेन युद्ध में मारे गए लोगों के यादगार स्मारक के सामने मोदी और व्लोदिमीर जेलेंस्की के बीच हुई मुलाकात में भावनाएं जिस प्रकार स्पष्टतः उमड़ती दिखी, वह भारत के समक्ष उत्पन्न उस धर्मसंकट का भी द्योतक रही, जो इस युद्ध में मध्य मार्ग चुनने से बना है।

पृष्ठभूमि समझने में ज्यादा मुश्किल नहीं। रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया और इसकी भरपूर निंदा होनी चाहिए दृ कई भारतीयों के अलावा बहुत से रूसी भी इसकी आलोचना करते हैं। लेकिन बारीकी से देखने पर, अन्य संदर्भ सामने आ जाते हैं। दो साल पहले, नाटो का विस्तार ठीक अपनी सीमा तक पहुंचते देख असुरक्षा की भावना से भरे रूस ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। अब यह लड़ाई ऐतिहासिक रूप से साझेदार और सह–धर्मियों के मध्य हार–जीत को लेकर कम बल्कि विश्व पटल पर रूस की जगह को लेकर रूस–अमेरिका के बीच जारी खींचतान की वजह से ज्यादा है।

हर कोई, विशेष रूप से यूक्रेनियन, जानता है कि अगर अमेरिका के साथ–साथ पश्चिमी जगत के बड़े हिस्से ने जेलेंस्की के लोगों को अत्याधुनिक हथियार नहीं दिए होते,तो युद्ध कब का खत्म हो चुका होता। लेकिन ऐसा हुआ नहीं और निर्दोष लोगों की मौत लगातार जारी है। बड़ी शक्तियों का राजनीतिक खेल हावी हो चुका है। यूक्रेन का यह युद्ध अब इस उद्देश्य को लेकर है रू 'कौन बनेगा दुनिया का दादा'? 1991 के अंत में सोवियत संघ के विघटन के बाद, साफ है अमेरिका दुनिया की एकमात्र महाशक्ति वाला अपना ओहदा छिन जाने को लेकर तैयार नहीं। रूसी भले ही आज अमेरिकियों जितने मजबूत न हों, लेकिन फिर भी काफी शक्तिशाली हैं,और उनका जोर इस बात पर है कि शीर्ष पर एक से अधिक के लिए गुंजाइश है। हमेशा की तरह,चीन 'देखो और इंतजार करो' वाली अपनी नीति के साथ, खुद को दोनों पक्षों के साथ खड़ा दिखाए रखने को उत्सुक और इच्छुक हैदृ जहां एक और वे अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ा रहे हैं वहीं ठीक उसी वक्त व्लादिमीर पुतिन की घर और बाहर, दोनों जगह, प्रासंगिक बने रहने की चिंता भरी जरूरत का समर्थन भी करते नजर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और भारत का रुख क्या है? जारी इस महा खेल में भारत किसकी तरफदारी करे, इसका उत्तर जटिल है। मोदी ने दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक कीव में जब जेलेंस्की से कहा: 'भारत शांति की दिशा में किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने' को तैयार है, इससे कुछ पल पहले, दोनों ने एक–दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया था दृ कुछ हद तक उस लंबी गलबही की तरह जो मोदी और पुतिन ने छह सप्ताह पहले मॉस्को के बाहरी हिस्से में स्थित पुतिन के घर में डाली थी और जिसको लेकर जेलेंस्की ने खुले तौर पर माना था कि इसने उन्हें परेशान कर डाला था। कुछ क्षण बाद, मोदी ने अपना बायां हाथ जेलेंस्की के बाएं कंधे पर रखा, जैसा कि बड़े भाई अक्सर अनुज के साथ करते हैं, और कुछ देर वहीं रखे रखा, इस बीच फोटोग्राफरों ने कई तस्वीरें लीं।

ऐसा लगता है कि मोदी वास्तव में द्रवित हुए दृ यह अच्छी बात है कि वे हुए। भारत आमतौर पर कमजोर के साथ खड़ा होता है दृ पूर्व पूर्वी पाकिस्तान में मुक्ति वाहिनी का सहयोग इसका एक बढ़िया उदाहरण है। लेकिन यहां तो कुछ और ही होता नजर आ रहा है। ऐसा लगता है मानो मोदी को एक तरह से राजी किया गया हो कि वे यूक्रेनियों के साथ खड़े दिखाई दें दृ और इस तरह, परोक्ष रूप से अमेरिका के साथ। अमेरिकियों ने मोदी की मॉस्को यात्रा पर अपनी नाराजगी जाहिर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तथ्य यह है कि पिछले दो वर्षों में, भारत द्वारा रूस से रियायती दर पर भारी मात्रा में तेल खरीदने से व्यापार के आंकड़े में भारी उछाल बनने के बावजूद, भारत–अमेरिका के बीच लेन–देन अभी भी भारत–रूस व्यापार से दोगुना है।

पश्चिम में जो लोग यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने से इनकार करने पर भारत की आलोचना करते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है दृ स्वयं पर पक्षपाती होने का आरोप लगने के जोखिम पर, उदाहरणार्थ, उनसे पूछा जाए : 'आपने इस्राइल द्वारा गाजा के अस्पतालों, स्कूलों और संयुक्त राष्ट्र परिसर पर की जाने वाली बमबारी रोकने के लिए क्या किया'? या फिर, मुख्य सहयोगी पश्चिमी मुल्क दृ जिनमें अधिकांश पांच सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हैं दृ क्या इनमें किसी एक ने उस वक्त असहमति की एक छोटी अंगुली तक उठाई, जब 2003 में सद्दाम हुसैन द्वारा सामूहिक विनाश के हथियारों का उपयोग करने की आशंका जताते हुए स्पष्ट रूप से झूठी अफवाह फैलाकर, अमेरिका ने इराक पर बमबारी करने का फैसला किया था। रुको जरा, एक सेकंड दृ सद्दाम के पास ऐसा कुछ भी नहीं निकला।

इस बीच, ठीक उसी समय जब मोदी यूक्रेन में थे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वाशिंगटन डीसी की यात्रा क्या महज इत्तेफाक है– अमेरिकियों के साथ एक–दो रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करना एक अच्छी बात है। लेकिन यदि यह संयोग नहीं है,तो इससे दो अन्य निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। प्रथम, अमेरिका अपने फैसलों पर जताई असहमति को लेकर सहज नहीं है, भले वह किसी सहयोगी लोकतंत्र ने दिखाई हो। अवश्य ही मोदी को कीव में जेलेंस्की से मिलने के लिए राजी करने की कोशिश में, दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के अलावा कई अन्य पश्चिमी राजधानियों के बीच काफी बातचीत हुई होगी।

और दूसरा, स्पष्ट है कि यूक्रेन का मामला मोदी की अब तक की सबसे कठिन विदेश नीतिज्ञ चुनौती बनता जा रहा है। यहां, फिर से याद रखें कि यूक्रेन मुद्दे की अहमियत अमेरिकियों के लिए केवल एक बहानेभर की है। यूक्रेन के साथ खड़ा होने में कोई हर्ज नहीं है– पुतिन या बाइडेन जो कुछ भी कहें, अपनी और से चीजों की जांच करना बेहतर होगा। यदि प्रधानमंत्री मोदी 'बिल्लियों की लड़ाई' में पैंतरेबाजी करने में सक्षम रहे, जैसा कि उनके कई पूर्ववर्तियों ने कर दिखाया, तो वे विश्व पटल पर भारत का विशिष्ट स्थान पुनः स्थापित करने में सफल होंगे।

निश्चित रूप से, दुनिया बदलाव के किसी भी स्व परिभाषित संकेत पर नजर रखेगीदृ जैसा कि मोदी की मास्को यात्रा पर बनाए रखी। पश्चिमी जगत भारत का साथ जीतना चाहता है दृ अपनी धूल–मिट्टी के बावजूद, यह खांटी लोगों का देश है।

इसके अतिरिक्त, बाइडेन, ऋषि सुनक, इमैनुएल मैक्रॉन, ओलाफ स्कोल्ज और कुछ अन्य, जो सब एक ही पाले में हैं, इनके बरक्स भारत का रुख सदा अपना रहा है दृ राष्ट्रीय हित और उच्च नैतिकता के बीच लंबी और कठिन डगर एक चुनौती है, वह जिसके प्रति उत्तरदायित्व है। इसलिए हाल–फिलहाल, प्रधानमंत्री द्वारा कीव से वापसी की रेलगाड़ी पकड़ने के साथ, अपरिहार्य निष्कर्ष यह है कि मोदी की यूक्रेन यात्रा अपने आप में संदेश है, भारत और दुनिया, दोनों के लिए।

–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

ये कहां आ गये हम..?

—मंगतराम पासला—

देश में आए दिन हो रही भयावह घटनाओं से ऐसा लगता है कि हम तेजी से जंगल राज की ओर बढ़ रहे हैं। महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाओं ने मानवीय मूल्यों के पैरोकारों को झकझोर कर रख दिया है। क्या देश के हुक्मरान गुंडों के गिरोह द्वारा एक प्रशिक्षु डॉक्टर की नृशंस हत्या को 'महिला सशक्तिकरण' कहते हैं? इस भयानक घटना की भयावहता का वर्णन करने के लिए कोई उपयुक्त शब्द नहीं हैं। क्या संबंधित राज्य की पुलिस, जहां की मुख्यमंत्री भी एक महिला है, इतनी अक्षम और आपराधिक मानसिकता वाली हो गई है कि वह हत्यारों और बलात्कारियों के गिरोह को गिरफ्तार नहीं कर पा रही है?

क्या यह दिल दहला देने वाला मामला सरकार और पुलिस की अक्षमता के कारण है? इस घटना के विरोध में हजारों गुस्साए लोगों के जोशीले नारों की गूंज अभी देशभर में कम नहीं हुई कि 3 और जगहों पर लड़कियों के साथ ऐसा ही हुआ।टी.एम.सी., भाजपा और कांग्रेस यानी केंद्र और अलग–अलग राज्यों में सत्तारूढ़ सभी पार्टियों की नाक के नीचे अपराधियों की तूती बोलने की शर्मनाक घटना लगभग एक जैसी ही है। ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब महिलाओं के साथ क्रूरता की कोई घटना न होती हो। ऐसे मामलों में अक्सर पीड़िताएं और उनके माता–पिता शर्मिंदगी के डर से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते।

दरअसल, इस बर्बर घटना के पीछे महिलाओं को पुरुष के यौन सुख का साधन मात्र मानने का प्रतिगामी दर्शन, पुरुष प्रधान समाज में महिला विरोधी मानसिकता और सत्ताधारी दलों द्वारा पुलिस–प्रशासनिक मशीनरी का राजनीतिकरण जिम्मेदार है। संबंधित अधिकारी ऐसे निंदनीय मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए तत्परता दिखाने की बजाय अपने राजनीतिक आकाओं और वरिष्ठों के आदेशों का इंतजार करते हैं। ऐसी किसी भी दुखद घटना के बाद सरकारी तंत्र दोषियों को पकडने के लिए हरकत में नहीं आता, जब तक कि लोग सड़कों पर नहीं उतर आते। 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से दिए भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, ''मीडिया बलात्कार की घटनाओं को तो पूरी ताकत से लोगों के सामने लाता है, लेकिन बलात्कारियों को मिलने वाली सजा के बारे में चुप रहता है।'' उनका यह तथ्यहीन बयान झूठ से भरा है। क्या इलैक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया ने पिछले साल 15 अगस्त को गुजरात की भाजपा सरकार द्वारा जेल में बंद बिलकिस बानो और उनके परिवार के हत्यारों और बलात्कारियों को उनकी सजा पूरी होने से पहले रिहा करने की खबर सही ढंग से दिखाई थी?

ओलिम्पियन पदक विजेता महिला पहलवान कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा किए गए यौन उत्पीडन के विरोध में महीनों तक दिल्ली की सड़कों पर बैठी रहीं। क्या मेनस्ट्रीम मीडिया ने देश का नाम रोशन करने वाली इन बेटियों की कथित हकीकत की खबर को सही संदर्भ में पेश किया? केंद्र सरकार के पक्षपातपूर्ण और दमनकारी व्यवहार के कारण उपरोक्त घटनाएं विभिन्न टी.वी. चौनलों पर होने वाली बहसों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं बन सकीं। लोग अक्सर 'गोदी मीडिया' की पक्षपातपूर्ण कार्य पद्धति के बारे में शिकायत करते देखे जाते हैं। यह अब कोई रहस्य नहीं रह गया है कि मीडिया का एक वर्ग सरकार के प्रभाव में सच बोलने की हिम्मत नहीं करता। लोगों की आर्थिक स्थिति भी सरकार के दावों के उलट है। दावा है कि, 'युवा अब रोजगार के पीछे नहीं भागेंगे, बल्कि रोजगार खुद चलकर उनके दर पर आएगा।' जी हां, यह पूरी तरह से झूठ और मनगढ़ंत है। लोग बेरोजगारी से त्रस्त हैं और महंगाई ने सभी हदें पार कर दी हैं।

चिकित्सा उपचार बड़ी संख्या में लोगों के नियंत्रण से बाहर का मुद्दा बन गया है। आम लोग अपने बच्चों को शिक्षित करने में असमर्थ हैं। जब पूंजी को चंद हाथों में केंद्रित करने की प्रक्रिया पूरी गति पकड़ लेती है तो अमीरी–गरीबी के बीच बढ़ती खाई बड़े खतरों का सूचक बन जाती है। बंगलादेश में तख्तापलट का मूल कारण सत्ता का अत्यधिक केंद्रीयकरण, कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और भुखमरी है। इसी स्थिति में बंगलादेश के असामाजिक और अराजक तत्वों द्वारा देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हिंसक हमलों का बेहद निंदनीय और खतरनाक दृश्य भी सभी ने देखा है, हालांकि यह भी सच है कि ये हमले कुछ शरारती तत्वों द्वारा किए गए हैं। भारत को लेकर कई मनगढ़ंत खबरें भी फैलाई गई हैं। मोदी सरकार के नंगे संरक्षण के तहत आर.एस.एस. तीसरी बार पहले की तुलना में बहुत कमजोर स्थिति में स्थापित हुआ था। विचारधारा के मुताबिक देशभर में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अब भी जानलेवा हमले किए जा रहे हैं। केंद्रीय एजैंसियों का घोर दुरुपयोग और भ्रष्टाचार को खुला बढ़ावा भी कम होने की बजाय बढ़ा है।

'संघ लोक सेवा आयोग' की जगह आर.एस.एस. की इच्छा से लोक सेवकों को मनमर्जी से भर्ती करने का हाल ही में रद्द किया गया निर्णय भारत की धर्मनिरपेक्ष संरचना और संविधान पर सीधा हमला है। प्रधानमंत्री का समाज के विभिन्न वर्गों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के रीति–रिवाजों से संबंधित कानूनों को 'सांप्रदायिक' बताकर 'समान नागरिक संहिता' की वकालत करते हुए ऐसे कानून को 'धर्मनिरपेक्ष ' कहना सरासर छल और धोखा है। इस बयान से भारतीय समाज में एक बड़ी सांप्रदायिक रेखा खींच दी गई है। यह सोच भारत की भौगोलिक अखंडता और अस्तित्व के मूल आधार 'अनेकता में एकता' के सिद्धांत के विपरीत है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि विभिन्न राष्ट्रीयताओं, धर्मों, बोली जाने वाली भाषाओं और अपने स्वयं के रीति–रिवाजों और परंपराओं के लोग अपने तरीके से रह सकें।

दुनिया के साम्राज्यवादी भारत को ललचाने वाली नजरों से देख रहे हैं, लेकिन हमारे शासक उनके इस जाल में बड़े अपराध भाव से बंधे हुए हैं।

लघुकथा... 'सौतेली माँ'

—डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही'—

आज रन्नों की खुशी का ठिकाना नहीं था। उसका उदास चेहरा खिल उठा। मेहमानों के जाते ही वह शीघ्रता से अपने कमरे में आई और आलमारी से एक छोटा सीसा निकालकर अपना मुँह निहारने लगी। बहुत दिनों के बाद वह इतना खुश दिखाई दे रही थी। उसको खुश देख मालती जो उसकी सौतेली माँ थी, ने पास आकर कहा, श्देख रन्नों! इस बार कोई गड़बड़ मत कर देना, बड़ी मुश्किल से यह रिश्ता पक्का हुआ है। तू वहाँ राज करेगी।' एक गहरी साँस लेते हुए, 'हे! भगवान, एक बार इसके हाथ पीले हो जाए, तो मैं गंगा नहा आऊँ।' रन्नों ने माँ की बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। उसके कानों में तो बस, सुन्दर के वह शब्द गूँज रहे थे कि 'मुझे लड़की पसंद है'। मालती, रन्नों को समझाती रहीं और रन्नों सपनों की दुनियां में खोई रही। वह बार–बार अपना मुँह सीसे में देखे जा रही थी। आज उसे अपना चेहरा एकाएक सुन्दर लगने लगा था। उसकी आँखों में न जाने कितने सपने तैरने लगे और वह मन ही मन प्रसन्नता से झूमने लगी। किन्तु मालती के मुख पर चिंता की लकीरें साफ–साफ दिखाई दे रही थी, उसके मन में उठते प्रश्न उसे आशंकित कर रहे थे कि कहीं रन्नों को सच्चाई की जानकारी न हो जाए और वह शादी करने से मना कर दे। यद्यपि इस बार लड़के एवं उसके घर वालों ने रन्नों को पसन्द कर लिया था और दहेज की कोई मांग भी नहीं थी, फिर भी जब–तक शादी न हो जाए, तब–तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। वह रन्नों की बढ़ती उम्र एवं शादी न हो पाने के कारण अक्सर परेशान रहती थी। रन्नों को देखने इसके पहले भी कुछ लड़के एवं उनके घर वाले आये थे लेकिन एक को छोड़कर सभी ने रन्नों का रंग साँवला होने के कारण नापसन्द कर दिया था। एक से रिश्ते की कुछ बात तो बढ़ी, लेकिन अधिक दहेज की मांग से रन्नों दुखी थी क्योंकि उसके माता–पिता की क्षमता उतनी दहेज देने की नहीं थी, इसलिए रन्नों ने खुद ही ऐसी शादी करने से इंकार कर दिया था। मालती रन्नों की सौतेली माँ जरूर थी लेकिन बच्चों के लालन–पालन में कोई अन्तर नहीं किया। उसने पूरी कोशिश किया कि रन्नों की शादी ठीक–ठाक घर में हो जाय किन्तु उसकी लम्बाई एवं साँवले रंग के कारण रिश्ता नहीं बन पा रहा था। इधर रन्नों काफी खुश रहने लगी। वह अपनी माँ के साथ घर के कामों में हाथ बँटाती और अपने छोटे भाई–बहनों का पूरा ध्यान रखती। ऐसा लग रहा था कि वह ससुराल में जाकर अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने का अभ्यास कर रही हो। मालती जब भी रन्नों को सीसे के सामने मुस्कराते हुए देखती, तो कई प्रश्न उसके मन में उत्पन्न हो उसे बेचैन करने लग जाते। कई बार रन्नों ने माँ से परेशानी का कारण पूछा लेकिन हर बार उसने कोई बहाना बनाकर बात टाल दिया। जैसे–जैसे शादी का दिन नजदीक आ रहा था, वैसे–वैसे मालती के अन्तर्मन में द्वंद्व भी बढ़ता ही जा रहा था। वह समझ नहीं पा रही थी कि क्या करे?। वह कभी–कभी सोचती थी कि रन्नों को सब सच्चाई बता दे क्योंकि उसे पता था कि शादी के बाद सच्चाई सबके सामने आ ही जायेगी, किन्तु कहीं रन्नों शादी से इंकार न कर दे, फिर कौन उससे शादी करेगा? रन्नों के पापा तो समझ जायेंगे.. परन्तु क्या रन्नों हमें समझ पायेगी?, क्या समाज सौतेली माँ होने का ताना नहीं मारेगा?। इसी उधेड़बुन में मालती के व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगा था। वह चिंतित रहने लगी थी। रन्नों, माँ के व्यवहार में आ रहे परिवर्तन को महसूस कर रही थी। धीरे–धीरे उसे यह लगने लगा कि कुछ तो है जिसे माँ सबसे छिपा रही है। उसने यह तय किया कि वह माँ की चिंता का कारण जानकर ही रहेगी। एक दिन जब मालती, रन्नों को उसकी शादी के कपड़े दिखा रही थी, तो उसने पूछा, श्माँ, तुम मुझसे कुछ छिपा रही हो, आपकी परेशानी का कुछ तो कारण है..' रन्नों कुछ और बोलती, इसके पहले ही मालती ने मुस्काते हुए कहा, 'अपनी बेटी की शादी कर रही हूँ, चिंता तो होगी ही... '। रन्नों माँ के जवाब से सन्तुष्ट नहीं हुई। उसने कहा, ' यह दिखावे की हँसी है माँ, मैं जानती हूँ कुछ तो है जो आप चाहकर भी नहीं बता पा रही हैं। मुझे सच–सच बताइए बात क्या है?'। मालती बार–बार बात को टालती रही किन्तु रन्नों की जिद ने उसे सच बताने के लिए विवश कर दिया। मालती की आँखों से आँसू गिरने लगे। उसने रन्नों के सामने हाथ जोड़ते हुए कहा, 'जिस लड़के के साथ तुम्हारी शादी हो रही है, उसका एक विवाह पहले हो चुका है किन्तु शादी के तीन साल बाद ही उसकी पत्नी की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई और..श। श्उसका एक बच्चा भी है.. रन्नों ने दबी आवाज में कहा। उसकी आँखें आंसुओं से भर गईं। उसका हँसता चेहरा कुम्हला गया। वह सुन्न सी एकटक माँ को निहारने लगी, जैसे वह अपनी माँ की विवशता को पढ़ रही हो और कह रही हो कि 'माँ, आपने मुझे अपने जैसा बना दिया।' मालती ने रन्नों को गले से लगाकर कहा, श्बेटी, मैंने जो किया तुम्हारे हित के लिए ही किया है, अब घर की इज्जत तुम्हारे हाथों में है।श रन्नों लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई और अपने कमरे की तरफ जाने लगी। जाते–जाते उसने मालती से कहा, श्माँ, आप निश्चिंत रहें। मैं आप की तरह ही अपना कर्तव्य निभाऊँगी।श यह सुन मालती अपना मुँह आंचल में छिपा सुबक–सुबक रोने लगी।

डोल जुलूस पर फेंका कचरा, 18 गांवों ने रोका, दो समुदाय आमने–सामने

संवाददाता–कुशीनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मिश्रौली समेत 18 गांवों से मंगलवार को निकले डोल जुलूस पर सोहरौना में एक पक्ष की ओर से कचरा फेंक दिया गया। इससे मौके पर दो समुदाय आमने–सामने आ गए। सूचना पाकर मौके पर एडिशनल एसपी समेत कई थानों की पुलिस फोर्स पहुंच गई। एहतियात के तौर पर गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। उधर, डोल जुलूस पर कचरा फेंके जाने की जानकारी के बाद 18 गांवों से निकले 35 से अधिक डोल जुलूस को रोक दिया गया। मामले की गंभीरता को देख पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत चार लोगों को हिरासत में ले लिया है।

कई दौर की चली वार्ता बेनतीजा रही। एक पक्ष का कहना था कि जिस रास्ते पर डोल रखा गया है, उसी रास्ते से डोल जुलूस गुजरेगा। जबकि, दूसरे पक्ष से कुछ लोगों को नए रास्ते से जुलूस ले जाने पर आपत्ति थी। मंगलवार को दिन के करीब 11 बजे से रामकोला थाना क्षेत्र के सोहरौना गांव से डोल जुलूस निकाला गया। काली मंदिर से जुलूस भ्रमण कर वापस गांव में लौट रहा था। तभी गांव के एक घर के समीप डीजे की गाड़ी फंस गई और इसी दौरान जुलूस पर किसी ने कचरा फेंक दिया। इसकी जानकारी होते ही जुलूस में साथ चल रहे लोग आक्रोशित हो उठे। इसके बाद लोगों ने जुलूस को रोक दिया। इसकी जानकारी होते ही मौके पर भारी पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया। सूचना मिलने पर पहुंचे एडिशनल एसपी रितेश कुमार सिंह, एएसपी अभिनव त्यागी, एसडीएम सदर व्यास नारायण उमराव, सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय, सीओ कसया कुंदन सिंह, हाटा इंस्पेक्टर राजप्रकाश सिंह, कप्तानगंज एसओ राजकुमार बरवार, रामकोला एसओ विनय कुमार सिंह ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराते हुए डोल उठाने का आग्रह किया।

इस दौरान लोगों ने ग्राम प्रधान समेत आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत चार लोगों को हिरासत में केस दर्ज कर लिया। कार्रवाई के बाद एक पक्ष के लोगों ने यह कहकर मना कर दिया कि अब जिस रास्ते पर डोल जुलूस रुका है, उसी रास्ते से डोल ले जाया जाएगा।

हालांकि, प्रशासनिक अफसरों ने किसी भी नई परम्परा अथवा नए रास्ते से जुलूस ले जाने की मनाही का हवाला भी दिया। वहीं, दूसरी तरफ इस बात की जानकारी जैसे ही अन्य गांव के लोगों को हुई तो।मिश्रौली क्षेत्र के 18 गांवों से निकलने वाले 35 से अधिक डोल को भी गांव वालों ने रोक दिया। मामला बढ़ता देख एडिशनल एसपी रितेश कुमार सिंह व अभिनव त्यागी ने कई दौर की वार्ता की। मगर, यह वार्ता भी बेनतीजा रहा। शाम 4.30 बजे तक प्रशासनिक अफसरों व लोगों के बीच वार्ता चल रही थी।

जन्माष्टमी का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1918 में स्वर राधा रमण सिंह ने की थी। तभी से जन्मोत्सव कार्यक्रम के बाद अगली सुबह डोल जुलूस निकाला जाता है। इसमें घारी वार्ड, चनुकी मोड़, पिपरा चौराहा सहित 24 से अधिक स्थानों पर रखे डोल मेले में आते हैं। सभी मुख्य चौराहा से एकत्रित होकर धीरे धीरे गाजे बाजे और जय श्रीकृष्ण के जय घोष करते हुए आगे बढ़ते हैं। भगवान की मनोरम झांकी भी प्रस्तुत करते हैं। इस दौरान घरों की छतों से लोग फूल बरसा डोल जुलूस का स्वागत करते हैं। शाम को सभी डोल कतारबद्ध तरीके से स्वर राधा रमण सिंह के दरवाजे पर पहुंचता है, जहां उनके परिजनों द्वारा भगवान की आरती कर समापन किया जाता है। इस दौरान दरवाजे पर पहुंचे लोगों को जलपान कराया जाता है। इसके अलावा बेहतर झांकी प्रदर्शन पर पुरस्कृत किया जाता है।

भेड़िए ने फिर एक मासूम को बनाया निवाला, अब तक 9 बच्चों की जा चुकी हैं जानें

संवाददाता–बहराइच। महसी में भेड़ियों के एक के बाद एक हमलों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। अब इनके हमलों का दायरा पश्चिम की ओर भी बढ़ता जा रहा है। उसी क्रम में मंगलवार को तड़के करीब 3रू30 बजे दीवान पुरवा निवासी मां के साथ आंगन में छप्पर के नीचे सो रहे मासूम को भेड़िए ने निवाला बना लिया। उसी रात दो किलोमीटर दूर स्थित छत्तरपुर गांव में तीन मासूमों पर हमला कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची वन विभाग व प्रशासनिक टीमों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक 9 बच्चों की जानें चुकी हैं।

खैरीघाट थाने के रायपुर के दीवान पुरवा मजरा निवासी सज्जन का 05 वर्षीय बेटा अयांश अपनी मां के पास आंगन में छप्पर के नीचे सोया था। रात का 03रू30 बजे दबे पांव आए भेड़िए ने बेटे अयांश को जबड़े में दबाकर उठा ले गया। मां के शोर मचाने पर जब तक परिजन दौड़ते तब तक भेड़िया बच्चे को लेकर खेतों में चंपत हो गया। सूचना पर पहुंचे वनकर्मी, प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी व परिजनों सहित ग्रामीणों की खोजबीन के दौरान घर से एक किलोमीटर दूर चकरोड पर उसका शव क्षत विक्षत शव मिला। उसी रात यहां से दो किलोमीटर दूर स्थित बरुही छत्तर पुरवा गांव निवासी 09 वर्षीय शिवानी पुत्री चिंताराम, 03 वर्षीय हरियाली पुत्री राम सूरत, 03 वर्षीय वंश पाठक पुत्र सतीश कुमार को घायल कर दिया। घायल बच्चों का इलाज सीएचसी महसी में कराया गया है। घटना स्थल का जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक वृदा शुक्ला ने जायजा लिया और डीएफओ आकाश दीप बधावन को सर्च अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही मौके पर मौजूद एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह बीडीओ हेमंत कुमार यादव, सीओ रूपेंद्र गौड़ को विशेष सतर्कता बरतने व ग्रामीणों को खुले में न सोने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

जन्मे भगवान जेल दरम्यान मुरलिया वाले,खुल गए जेल के ताले

संवाददाता–श्रावस्ती। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। गांव गांव झांकी सजा कर पूजन किया गया। आधी रात होते ही चारो ओर घंटे घड़ियाल व शंख बजने लगे और महिलाएं मंगलगान करने लगीं। इसके साथ ही सुमधुर भजन तथा जयकारों ने इलाका गुंजायमान हो उठा।

भिनगा स्थित पुलिस लाइन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने पुलिस लाइन में स्थित मंदिर में विधि–विधान से पूजन अर्चन किया तथा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान पुलिस लाइन में भगवान श्रीकृष्ण की लीला से संबंधित झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। स्कूली छात्राओं से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसी तरह से कोतवाली भिनगा में भव्य आयोजन किया गया। एसएसबी वाहिनी मुख्यालय भिनगा में भी भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को रंग–बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति और उत्साह का संचार हो गया। हरदत्त नगर गिरंट थाने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय व दीवान नवनीत कुमार और उनकी पत्नी यजमान बनाकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर लालन–पालन से लेकर उनकी पूजा अर्चना की। एसओ शैलकांत उपाध्याय ने अपने आफिस में भगवान श्रीकृष्ण को बैठा कर पूजा अर्चना की। जबकि रात में पप्पू मिश्रा भजन कीर्तन गायक कलाकार जमुनहा ने सोहर गीत और भगवान श्रीकृष्ण की आरती गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी तरह हनुमान मंदिर गिरंट, धन्नीपुरवा बुधा बाजार चौराहे पर पूज्य गंगा राम बाबा के समाधि स्थल और हनुमानजी के मंदिर पर, जयपत्तपुरवा समय माता मंदिर पर भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया।

गिलौला क्षेत्र में दर्जनों स्थानों पर भगवान श्री कृष्ण के डोल सजाए गए। गिलौला थाना परिसर में भव्य जन्माष्टमी का कार्यक्रम मनाया गया। यहां पर हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया इसके अलावा कटार में तिवारी पुरवा पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार से आए हुए कलाकारों ने लोगों का मन मोह लिया। इसके साथ–साथ रायपुर बिलेला, सुबिखा, मनसुखा, शाहपुर बरा, मनिकौरा, डिकरा, भिटौरा राम सहाय, लेंगडी गूलर, गोपालपुर, चेतिया मुरार, घोरमा परसिया आदि में झांकी सजाई गई। राम जानकी परिसर कटरा में वृंदावन के कलाकारों की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान जन्में भगवान जेल दरम्यान मुरलिया वाले खुल गए जेल के ताले,घर–घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की आदि भजनों से पूरा इलाका गुंजायमान हो गया। श्रावस्ती थाने में भी कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणनाथ प्रसाद प्रभारी निरीक्षक, नंदलाल साहू, धनीराम ,विजय कुमार सोनी, दिनेश कुमार चौरसिया, साकेत गुप्ता , संतोष पटवा सहित अनेक भक्तगण मौजूद रहे। इकौना थाने में धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए।

श्री रामकृष्ण मंदिर मे मनाया गया भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी में योग योगेश्वर पूर्ण ब्रह्म कृष्ण भगवान का जन्मोत्सव दो दिन मनाया जाएगा। अयोध्या के लगभग एक दर्जन मंदिरों और गृहस्थों के घरों में 26 अगस्त सोमवार को ही रात्रि 12 बजे हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयकारे गुंजायमान हुई और बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया। वही प्रभु श्री राम की जन्मस्थली श्री राम जन्मभूमि मणिराम दास छावनी, श्री लक्ष्मण किला, श्री दशरथ महल, तोताद्री मठ सहित सभी मंदिरों में 27 अगस्त रात्रि मंगलवार को भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। संतों का ऐसा मत है कि सनातन धर्म में उदया तिथि की मान्यता है और अष्टमी तिथि सोमवार को सुबह नहीं थी लेकिन मंगल सुबह अष्टमी तिथि रहेगी इसीलिए ज्यादा उदयतिथि में भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

वहीं श्री राम कोर्ट स्थित श्री रामकृष्ण मंदिर में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत गणेशानंद दास महाराज के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान को पंचामृत से अभिषेक कराया गया नवीन वस्त्र धारण कराए गए और नाना प्रकार के विविध व्यंजनों का भोग लगाया गया और जब रात्रि 12 बजे भगवान प्रकट हुए तो पूरा मंदिर हाथी–घोड़ा पाल की जय कन्हैया लाल की जयकारे से गूंज उठा। परंपरा अनुसार ठाकुर जी को पंजीरी का भोग लगाया गया और भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। महंत गणेशानंद महाराज ने बताया कि आज रात्रि 12 बजे अष्टमी तिथि भी थी और रोहिणी नक्षत्र भी था रोहिणी नक्षत्र में भगवान का जन्म हुआ था इसीलिए मंदिर में 26 अगस्त को भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया। श्री रामकृष्ण मंदिर के साथ अयोध्या के लगभग दो दर्जन मंदिरों में जन्मोत्सव मनाया गया बाकी हजारों मंदिरों में आज मनाया जाएगा भगवान का जन्मोत्सव।

वेतन नहीं मिलने से नाराज शिक्षकों ने कोषागार पर दिया धरना

संवाददाता–देवरिया। शिक्षकों का वेतन भुगतान नहीं होने पर मंगलवार कोउत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने कोषागार के सामने धरना दिया । धरने में गोरखपुर फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन खण्ड के शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी भी मौजूद रहे। शिक्षकों ने वेतन नहीं मिलने पर वृहद आंदोलन की चेतावनी दिया है। जिले के 2700 शिक्षक और कर्मचारियों का जुलाई माह का वेतन नहीं मिला है। जिसे लेकर शिक्षक आंदोलन पर है। शिक्षक विधायक ने कहा कि देवरिया जिले के 2700 शिक्षक कर्मचारियों का वेतन बिना किसी कारण के रोक दिया गया। जिसका कोई औचित्य नहीं है। पूरे प्रदेश में ऐसी घटना पहली बार हुई है। शिक्षकों के वेतन दिलाने के लिए स्थानीय स्तर पर संगठन के पदाधिकारियों ने प्रयास किया। इसके बाद भी अधिकारी और जिला प्रशासन ने इस कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को वेतन नहीं मिल रहा है और अधिकारी मौज कर रहे है। अधिकारियों और कर्मचारियों की गलती जिले के माध्यमिक विद्यालयों के 2700 शिक्षक और कर्मचारियों का वेतन नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने एक शिक्षक के चलते इतने शिक्षकों का वेतन रुका हुआ है। शिक्षकों का वेतन जल्द से जल्द नहीं मिला तो सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी, प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, जिलामहामंत्री विजय भारत सिंह, अभिषेक पाण्डेय, गोरखनाथ गुप्ता समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

एंबुलेंस की ठोकर से पॉलीटेक्निक छात्र की मौत, अस्पताल में बवाल

संवाददाता–देवरिया। जिले के बघौचघाट–पथरदेवा मार्ग पर मंगलवार को एंबुलेंस की ठोकर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। युवक पॉलीटेक्निक अंतिम वर्ष का छात्र था। घटना के बाद युवक के परिजनों ने ठोकर मारने वाली एंबुलेंस का नंबर पता करने को लेकर सीएचसी पथरदेवा में जमकर बवाल किया। उन्होंने डयूटी पर तैनात एक फार्मासिस्ट को पीट दिया। अस्पताल की ओपीडी रजिस्टर भी फाड़ दी। स्वास्थ्यकर्मियों ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। मंगलवार की भोर में बघौचघाट बाजार के अमरपुर टोले का रहने वाला विकेश यादव(18) पुत्र शेषनाथ टहलने के लिए घर से निकला था। तभी पथरदेवा मार्ग पर मदीना बाजार के एक प्राइवेट स्कूल के करीब सामने से आई रही 108 नंबर की एंबुलेंस ने उसे ठोकर मार दी। ठोकर लगते ही विकेश सड़क पर गिर गया। एंबुलेंस वालों ने उसे उठाकर सीएचसी पथरदेवा पहुंचाया जहां से युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था। हालत बिगड़ने पर यहां के डॉक्टरों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। युवक हरियाणा में पॉलीटेक्निक की पढ़ाई करता था। वह छुट्टी में घर आया था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। युवक छरू बहनों का इकलौता भाई था। मां प्रभावती देवी और बहनों को रो–रो कर बुरा हाल है। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते पिता बदहवास हो गए। मृतक के पिता शेषनाथ यादव ने बताया कि जब वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरदेवा पहुंचे तो उनका बेटा तड़प रहा था। कोई भी डॉक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं था। साथ ही अस्पताल पहुंचाने वाली(ठोकर मारने वाली) एंबुलेंस भी गायब थी। अभी तक एंबुलेंस का पता नहीं चल पाया है।

राज्यमंत्री की शिकायत पर कोतवाल लाइन हाजिर

संवाददाता–देवरिया। नगर पंचायत के हरैया वार्ड में गलत पैमाइश करते हुए कुछ लोगों को जेसीबी लगा कर उजाड़ दिया गया था। इस दौरान पीडिध्तों ने कोतवाल पर अभद्रता का आरोप लगाया था। मामले में राज्यमंत्री की शिकायत पर कोतवाल को लाइनहाजिर कर दिया गया है। नगर पंचायत के हरैया वार्ड संख्या आठ स्थित लार थाना क्षेत्र के कौसड़ गांव निवासी हसमुदीन अंसारी और विश्वनाथ के परिवार से आराजी नंबर 14 की भूमि पर करीब 40 वर्षो से कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। हसमुदीन के पक्ष में न्यायालय ने डिग्री देते हुए मौके पर रह रहे लोगों व अन्य जो भी इमारत व बाउंड्रीवाल है उसको हटाने का निर्देश दिया। निर्देश का पालन कराने के लिए न्यायालय से अमीन विकास तिवारी कोतवाल तथा अन्य पुलिस बल व दो बुलडोजर लेकर 24 अगस्त को मौके पर पहुंच गए। अमीन के बताने के मुताबिक पुलिस तीन झोपड़ी के बजाय अराजी नंबर 12, 14 व 15 में रह रहे विश्वनाथॉ जय प्रकाशॉ ओमप्रकाशॉ रामदेनीॉ भोलाॉ रामानंदॉ सुखदेवॉ रमेशॉ शिव नारायण आदि की रिहायशी झोपड़ी पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यहां तक की सामान निकालने का भी मौका नहीं दिया गया। पीड़ित लोगों ने राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम के पास पहुंच न्याय की गुहार लगाई।

हिन्दू उत्पीड़न के विरोध में सडक पर उतरे लोग

संवाददाता–श्रावस्ती। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दुओं पर लगातार हो रही हिंसा को लेकर हिन्दू संगठन के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके विरोध में हिन्दू संगठनों की ओर से जन आक्रोश यात्रा निकाली गई। साथ ही प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को देकर बंग्लादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न रोके जाने की मांग की।

हिन्दू रक्षा समिति अवध प्रान्त के बैनर तले मंगलवार को हिन्दू संगठनों ने जूनियर हाई स्कूल भिनगा से कलेक्ट्रेट तक विशाल जन आक्रोश यात्रा निकाल निकाली। पैदल मार्च महिलाएं व पुरुष अपने हाथों में तख्तियां लेकर बांग्लादेश में हो रहे नरसंहार के विरोध में आवाज बुलंद की। लोगों ने हिन्दू समाज का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान नारे लगाए तथा भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम अजय कुमार द्विवेदी को सौंपा। उदासीन संगत के महंत अखिलेश मुनि ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं व अन्य अल्पसंख्यकों के साथ ही उनके पवित्र पूजा स्थलों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उत्पीड़न, शोषण व मानवीय अत्याचारों से हिन्दू व अन्य अल्पसंख्यक व्यथित व पीड़ित है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रज्वल मिश्रा ने कहा कि बांग्लादेश में अराजकता व निष्प्रभावी कानून व्यवस्था के चलते अतिवादी जिहादी तत्वों की ओर से बड़े पैमाने पर हिन्दुओं का आर्थिक व शारीरिक शोषण किया जा रहा है। विहिप के विभाग मंत्री अजय जायसवाल ने कहा कि हिन्दू समाज काफी आक्रोषित है। ऐसी घटनाओं को तत्काल रोका जाए। हिन्दू उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष पंकज पाण्डेय ने कहा कि बाग्लादेश में रह रहें हिन्दुओ को निशाना बनाकर उनके धार्मिक व व्यावसायिक स्थलों पर जिहादी तत्वों की ओर से लूट व तोड़फोड़ की जा रही है। ध्वस्त सरकारी व्यवस्था के चलते वहां वीभत्स स्थिति उत्पन्न हो गई है। हिन्दू महासंघ के जिला प्रभारी वेद प्रकाश मिश्रा ने कहा कि कटररपंथी जिहादियों की ओर से बहन बेटियों व छोटे छोटे बच्चो के ऊपर किये जा रहे हमलों को देखकर पूरे देश का हिन्दू समाज आक्रोशित है। संगठन के लोगों ने पीएम से ज्ञापन के माध्यम से बंग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा किए जाने की मांग की। इस मौके पर ददन मिश्रा, देवेश मिश्रा, पंकज देव गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, रिंकू, अशोक मिश्रा समेत जिले भर से आये हिन्दू समाज के लोग मौजूद रहे।

दो स्कूली छात्राओं को अगवा कर गैंगरेप करने दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

संवाददाता–गोण्डा। जिले में बीते 24 अगस्त को विद्यालय में पढ़ने जा रही नाबालिग छात्रा और उसकी सहेली को रास्ते से चार युवकों ने अपहरण कर लिया था। घर पहुंची बदहवास दोनों लड़कियों ने अपने परिजनों को आरोपियों के कारनामे से अवगत कराया। उसके बाद छात्राओं के परिजनों ने दो आरोपियों को नामजद करते हुए चार लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराया। 24 अगस्त को खोड़ारे थाना क्षेत्र के रहने वाले पीड़िता के पिता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कहा कि उनकी नाबालिक लड़की अपने सहेली के साथ पढ़ने के लिए स्कूल गई हुई थी। लेकिन स्कूल के बाहर ही खोड़ारे थाना क्षेत्र के मझौवा तोग शाहपुर गांव के रहने वाले अनस पुत्र अबुल कलाम और मझौवा तोग शाहपुर गांव के ही रहने वाले शादाब अहमद पुत्र स्वर्गीय सोहराब अली ने अपने दो अज्ञात दोस्तों के साथ मिलकर पुत्री व उसकी सहेली का जबरन अपहरण कर उसके साथ दुराचार किया है। पीड़ित पिता के शिकायती पत्र पर खोड़ारे पुलिस ने विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नाबालिग छात्राओं को मेडिकल परीक्षण के लिए रवाना कर दिया। मामले की विवेचना के दौरान आरोपी दोषी पाए गए। थानाध्यक्ष सर्वजीत गुप्ता, उप निरीक्षक कामेश्वर राय, त्रियुगी शर्मा, हेड कांस्टेबल शिवकुमार नायक, कांस्टेबल सचिन यादव और प्रदीप कुमार ने अनस और शादाब अहमद को मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर से सवार होकर चंद्रदीप घाट के रास्ते जाते समय रास्ते से गिरफ्तार कर लिया।

गोंडा जिले के खोड़ारे थाना प्रभारी सर्वजीत गुप्ता ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद किया गया है, अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

गाजे बाजे के साथ मां सरयू के पावन तट से निकाली गई भव्य कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।राम कथा जीवन को धन्य करने वाली होती है, गोस्वामी जी ने राम कथा से किस तरह के लाभ होते हैं इसके विषय में विस्तार से बताया कि जो राम कथा के आश्रित श्रोता–वक्ता हैं उनके पापों का नाश करती है और तुलसीदास जी ने रामकथा को कामधेनु बताया है,कामधेनु सभी जगह यानी सर्वत्र नहीं होती और बड़ी कठिनता से मिलती है,इसी प्रकार रामकथा कलियुग में बड़ी कठिनता से सुनने में आती है। सतयुग, त्रेता में घर–घर गायी जाती थी, द्वापर में केवल सज्जनों के घर में पर कलियुग में तो कहीं–कहीं। उक्त बातें श्री राम नगरी के जानकी घाट स्थित श्री राम हर्षणम में श्री रामकृष्ण सेवा मंडल जयपुर द्वारा आयोजित श्री राम कथा के प्रथम दिवस की बेला मे श्री राम कथा का महात्म बताते हुए श्री राम कथा के मर्मज्ञ श्री अवध बिहारी कुंज पीठाधीश्वर याज्ञिक सम्राट श्री महंत श्री श्री 1008 गणेश दास महाराज ने बताई। उन्होंने बताया कि रामकथा ज्ञानियों को विश्राम देने वाली, सब मनुष्यों को प्रसन्न करने वाली और कलियुग के पापों का नाश करने वाली है।रामकथा कलियुग रूपी सांप के लिये मोरनी है और विवेक रूपी अग्नि के प्रकट करने के लिये अरणि यानी मन्थन की जाने वाली लकड़ी है। उन्होंने बताया कि जीवन में भागवत प्रेम को बढ़ाने के लिए शास्त्रों और सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा उत्पन्न करने के लिए श्री राम कथा अमृत है जिसका गायन हमेशा करना चाहिए। इसके पूर्व सुबह 10:30 बजे मां सरयू के पावन तट से गाजे बजे के साथ भव्य कलश यात्रा श्री राम हर्षणम तक निकल गई जिसमें सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए। श्री राम कथा की अमृत वर्षा 27 अगस्त से दो 2 सितंबर तक सुबह 9 बजे से दिन में 1 बजे तक होगी। इस अवसर पर मुख्य यजमान ओम प्रकाश ताम्बी, राधेश्याम आकड़ रामजीलाल रावत, रामबाबू रावत प्रहलाद रावत भंवरलाल राजोरिया कृष्ण मुरारी कूलवाल रवि रावत सहित सैकड़ो की संख्या में माताएं बहने एवं अन्य लोग सम्मिलित हुए कथा के अंत में आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया।

श्रीकृष्णावतार के लिए सभी समय, सभी काल, सभी परिस्थितियां शुभ ही हैं –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।मनस्वी कार्यार्थी न गणयति दुखं नच सुखम्अथ सर्व गुणोपेतरूकालरूपरम शोभनरूश्रीकृष्णावतार के लिए सभी समय, सभी काल, सभी परिस्थितियां शुभ ही हैं।कोई काल, कोई परिस्थिति कृष्णावतार को रोक नही सकती हैं । ऐसी चेतनाएं काल–निर्भर नहीं होतीं। सिर्फ सोए हुए लोगों के अतिरिक्त काल पर कोई भी निर्भर नहीं होता। उक्त बातें श्री राम कथा और श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य राधेश्याम शास्त्री महाराज ने भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर बतायी। श्री महाराज जी ने बताया कि ष्जागा हुआ समय को अपने अनुकूल ढाल लेता है, सोए हुए..व्यक्ति समय के अनुकूल पैदा होते है।ष कृष्ण शायद इसलिए अवतरित होते हैं कि युग बहुत बुरा है, इसलिए पैदा होते हैं कि बहुत दुर्दिन हैं। इसका मतलब यह हुआ कि कृष्ण एक ष्कॉजल चेनश में पैदा होते हैं, एक कार्य–कारण की शृंखला में पैदा होते हैं।इसका मतलब हुआ कि हमने कृष्ण के जन्म को भी युटिलिटेरियन कर लिया, हमने उपयोगिता में ढाल दिया। ..कि चिन्ता मत करो समय खराब होगा तो फिर प्रभु आयेगें, इसका यह भी मतलब हुआ कि श कृष्ण को भी हम अपनी सेवा के लिए ला रहे हैं, और किसी अर्थों में नहीं देख सकते।

उन्होंने बताया कि अगर रास्ते के किनारे फूल खिलें, तो राह से गुजरने वाला सोच सकता है कि मेरे लिए खिल रहा है।मेरे लिए सुगंध दे रहा है। हो सकता है अपनी डायरी में लिखे कि मैं जिस रास्ते से गुजरता हूं, मेरे कारण मेरे लिए फूल खिल जाते हैं। लेकिन फूल निर्जन रास्तों पर भी खिलते हैं। फूल किसी के लिए नहीं खिलते, फूल अपने लिए खिलते हैं। किसी दूसरे को सुगंध मिल जाती है, यह बात दूसरी है।कृष्ण जैसे व्यक्ति किसी के लिए पैदा नहीं होते। अपने आनंद से ही जन्मते हैं। दूसरों को सुगंध मिल जाती है, यह बात दूसरी है। और ऐसा कौन–सा युग है, जिस में कृष्ण जैसा व्यक्ति पैदा हो तो हम उससे कोई उपयोग न लें सकेंगे? सभी युगों में ले लेंगे। सभी युगों में जरूरत है। सभी युग पीड़ित हैं, सभी युग दुखी हैं। कृष्ण तो किसी भी क्षण में उपयोगी हो जाएगा। सुगंध ही चाह किस को नहीं है! किस के नासापुट सुगंध के लिए आतुर नहीं हैं! फूल किसी भी रास्ते पर खिले, और कोई भी गुजरे तो सुगंध ले लेगा। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि कृष्ण जैसे व्यक्तियों को ष्युटिलिटेरियनश, उपयोगिता की भाषा में सोचना ही गलत है।हम हर चीज को उपयोग में सोचते हैं, किस उपयोग में आएगी? निरुपयोगी का हमारे लिए कोई मूल्य ही नहीं है, परपजलेस का हमारे लिए कोई अर्थ नहीं है। आकाश में बादल चलते हैं तो सोचते हैं कि शायद हमारे खेतों में वर्षा करने के लिए चलते हैं। अगर घड़ियां आपके हाथों पर बंधी सोच सकें, तो वे शायद यही सोचेंगी कि हम बंध सकें, इसलिए यह आदमी पैदा हुआ है।

आचार्य जी ने बताया कि निश्चित ही चश्मे अगर सोच सकें, तो वे सोचेंगे कि हम लग सकें, इसलिए ये आंखें पैदा हुई हैं। लेकिन वे सोच नहीं सकते, इसलिए मजबूरी है। आदमी सोच सकता है तो वह हर चीज को ष्इगोसेंट्रिकश कर लेता है। वह अपने अहंकार को केंद्र पर लेता है। वह कहता है, सब मेरे लिए है। कृष्ण जन्मते हैं तो मेरे लिए, श्री राम जन्मते हैं तो मेरे लिए, फूल खिलते हैं तो मेरे लिए, चांदत्तारे चलते हैं तो मेरे लिए। आदमी के लिए सब चल रहा है। आकाश में चांदत्तारे चलते हैं वे भी हमारे लिए, सूरज निकलता है वह भी हमारे लिए है। यह दूसरी बात है कि सूरज के निकलने से हम रोशनी ले लेते हैं, लेकिन हमें रोशनी देने को सूरज नहीं निकलता है।जिंदगी की धारा उपयोगिता की धारा नहीं है। उपयोगिता की भाषा में ही सोचना गलत है। जिंदगी में सब हो रहा है, किसी के लिए नहीं, होने के लिए ही। फूल खिल रहे हैं अपने आनंद में, नदियां बह रही हैं अपने आनंद में, बादल चल रहे हैं अपने आनंद में, चांदत्तारे चल रहे हैं अपने आनंद में। आप किस के लिए पैदा हुए हैं? आप किस कारण पैदा हुए हैं? आप अपने आनंद में ही जी रहे हैं और श्री कृष्ण तो पूरी तरह अपने आनंद मे हैं।

महायोगी गोरखनाथ विविः स्थापना दिवस संपन्न, नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का तृतीय स्थापना दिवस मंगलवार को संपन्न हुआ। साप्ताहिक समारोह के तहत नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। विवि के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला में आयोजन हुआ। डॉ. संजय माहेश्वरी (सीईओ, इनोवेशन, रिसर्च एंड इंटरनेशनल रिलेशंस एमजीवाई मेडिकल यूनिवर्सिटी) और कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी (पूर्व निदेशक, जेएसएस अस्पताल, मैसूर) ने नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर नर्सिंग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि नर्सिंग का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। नर्सिंग का आधुनिक स्वरूप फ्लोरेंस नाइटिंगेल के काम से विकसित हुआ, जिन्होंने 1850 के दशक में क्राइमियन युद्ध के दौरान नर्सिंग को एक पेशेवर मान्यता दिलाई और इसे वैज्ञानिक और अनुशासित दृष्टिकोण से देखा गया। नर्सिंग पेशेवर क्षेत्र है, जो समाज में स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नर्सिंग नवाचार के माध्यम से इस पेशे में रोजगार के अपार संभावनाएं हैं। आज के समय में, नर्सिंग एक व्यापक और विविध पेशेवर क्षेत्र बन गया है। इसमें बुनियादी देखभाल से लेकर विशेष क्षेत्रों जैसे कि प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, और पेडियाट्रिक्स में नर्सों की जिम्मेदारियों में रोगियों की देखभाल, निदान, चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रबंधन से अच्छे परिणाम आ रहे हैं। नर्सिंग के भविष्य पर डॉ. संजय माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि भविष्य में नर्सिंग की दिशा में कई संभावनाएँ और चुनौतियाँ हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, नर्सों को अधिक उन्नत तकनीकी कौशल की आवश्यकता होगी। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे उन्नत तकनीको से नर्सेज स्वयं को तैयार रखना होगा। नर्सिंग में नवाचारों से आधुनिक शिक्षा और चिकित्सा सेवा को समृद्ध किया जा सकता है।

भविष्य में नर्सिंग के क्षेत्र मे रोबोटिक्स तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। व्याख्यान श्रृंखला में कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी ने नर्सेज को मूल मंत्र देते हुए कहा की नर्सों की पहली जिम्मेदारी धैर्य, दूसरी चिकित्सकीय दृष्टि से, तीसरी लक्ष्य और चौथी जिम्मेदारी सुखद मुस्कान के साथ कार्य को पूर्ण करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में नर्सेज मां का रूप हैं। जिस तरह मां अपने बच्चे के प्रति समर्पित रहती है उसी तरह नर्सेज धाय मां की भांति रोगी की सेवा करें। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसी जी., रजीथा आरएम, ममता रावत, रिंकी सिंह, श्वेता अल्बर्ट, सोसन डेन, संगीता, अक्षय एडवर्ड, सुमिता त्रिपाठी, प्रिया सिंह, कविता साहनी, नैंसी मिश्रा, ममता चौरसिया, शांति कुमारी, निधि मिश्रा, काजल मौर्य, पूनम गोंड, शक्ति जायसवाल, निधि राय, मानसी पांडेय, सुमन यादव, केशव अधिकारी, श्रद्धा, प्राची यादव, डॉ .अभिनव सिंह सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सड़क पार कर रहे मासूम को पिकअप ने रौंदा, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के गंगवार चौराहे पर मंगलवार को सड़क पार करते समय पिकअप की चपेट में आने से एक छह वर्षीय बालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बालक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के झहराव गांव निवासी उस्मान (6) पुत्र बुफरान अपनी मां के संग तीन दिन पहले थाना क्षेत्र के गंगवार गांव अपने मामा के घर गया था। मंगलवार सुबह 10 बजे उस्मान सड़क के दूसरी तरफ दुकान पर कुछ सामान लेने जा रहा था तभी बांसी की तरफ से तेज गति से आ रही पिकअप ने उसे रौंद दिया। इससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

चार वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। महाराजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में चार वर्षीय बालिका के साथ पड़ोस के ही एक युवक ने दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया जिसे पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकार सदर संदीप सिंह ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी चार वर्षीय दलित बालिका सोमवार की शाम अचानक लापता हो गई। करीब पांच घंटे बाद वह गांव निवासी सलमान के घर के पास मिली। बच्ची को लाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया और आरोपी सलमान के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। घटना के बाद आरोपी गांव से फरार हो गया जिसकी तलाश में टीम लगाई गई थी। इस बीच आरोपी के ऐमी आलापुर से तारापुर मोड़ पर होने की पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने आरोपी को घेर कर दबोचने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी फायरिंग की तो आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह गिर गया जिसे दबोच लिया गया। सीओ सदर ने बताया कि आरोपी को जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। वहीं, बच्ची का इलाज भी अस्पताल में चल रहा है। मौके पर तनाव को देखते हुए गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में सीएम योगी आदित्यनाथ ने की गोसेवा, बच्चों पर लुटाया प्यार

संवाददाता–गोरखपुर। सोमवार रात में गोरखपुर आए मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने के बाद मंगलवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोशाला का भ्रमण कर गोवंश का हाल जाना और उन्हें खूब दुलारकर अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। सोमवार देर रात तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अनुष्ठान में व्यस्त रहने के बावजूद मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते–मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ और केला खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों पर भी खूब प्यार लुटाया। मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान ही मुख्यमंत्री की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। सभी बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं और किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे हंसी ठिठोली भी की। सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार और आशीर्वाद दिया कि खूब मन लगाकर पढ़ो और खूब आगे बढ़ो। विदा करते वक्त हमेशा की तरह उन्होंने बच्चों को चॉकलेट गिफ्ट किया।

जन्में कन्हाई, नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, गूंजी बधाई

संवाददाता–गोरखपुर। श्रीकृष्ण जनमाष्टमी के पावन पर्व की शुरुआत सोमवार की रात शहर में धूमधाम और आस्था से हुई। जैसे ही आधी रात को घड़ी की सुई 12 पर पहुंची, मंदिरों और घरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उल्लास चरम पर था। श्श्श्नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीश्श्श जैसे मंगल गीतों की गूंज से पूरा शहर भक्ति में सराबोर हो गया। भजन–कीर्तन का आयोजन रातभर चलता रहा, जहां भक्तों ने भगवान कृष्ण के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और भक्ति को प्रकट किया। जलकल परिसर में भी जन्माष्टमी का उल्लास देखने को मिला। विशेष रूप से सजाया गया पंडाल भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहां बड़ी संख्या में लोग पूजा–अर्चना करने पहुंचे। पुलिस लाइंस, जिला जेल, एम्स थाना और अन्य प्रमुख स्थानों पर भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की धूम रही। सोमवार को विशेष रूप से घरों में कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारी सुबह से ही शुरू हो गई थी। परिवार के सदस्यों ने व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा–अर्चना की। जैसे–जैसे रात होती गई, मंदिरों और घरों में माहौल भक्तिमय होता गया। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को 56 भोग अर्पित किए गए। माखन, मिश्री, फल–फूल और मिठाइयां भगवान को चढ़ाई गईं। इस विशेष प्रसाद को घर–घर में श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। धनिया का प्रसाद जो भगवान श्रीकृष्ण को विशेष रूप से प्रिय है, उसे भी श्रद्धालुओं के बीच बांटा गया। सोशल मीडिया पर भी जन्माष्टमी की धूम देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशियों को अपने परिवार और मित्रों के साथ साझा किया। जलकल भवन में शाम से ही सुंदर सजी झांकियों को देखने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया। श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल की मौजूदगी में रात 12 बजे भगवान कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मोहद्दीपुर स्थित गोपाल मंदिर में भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती की और बाल गोपाल को पालने में झुलाया गया। इस दौरान भजन गायक मनोज दूबे के भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

युवक ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली से उड़ाया

संवाददाता–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के गहनाग गांव में युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में मंगलवार की सुबह कमरे के अंदर लाइसेंसी बंदूक से गले के ऊपर ठुड्डी से टिकाकर गोली मार ली। जिससे उसके चेहरे और सिर के चिथड़े होकर दूर जा गिरे। सूचना पर पहुंची खंडासा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करवाते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। जानकारी के अनुसार रोहित सिंह (36) पुत्र स्वर्गीय हरिश्चंद्र सिंह निवासी गहनाग थाना खंडासा क्षेत्र में लगे जन्माष्टमी महोत्सव में शाम को हंसी खुशी शामिल हुआ। रात को घर वापस आने के बाद अपने कमरे में जाकर सो गया। मंगलवार की सुबह लगभग 8रू30 बजे अपनी लाइसेंसी बंदूक की नली ठुड्डी से टिकाकर गोली मार कर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि मृतक के दो पुत्र हैं। जिसमें से बड़ा बेटा 18 वर्ष का है और वह इलाहाबाद में पढ़ाई करता है जबकि दूसरा बेटा 14 वर्षीय लखनऊ में पढ़ाई करता है। घटना के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। थाना अध्यक्ष खंडासा विवेक कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम रिपोर्ट के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। घटना की जांच पड़ताल की जा रही है ।परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। घटना को लेकर गांव में सनसनी फैली हुई है। वहीं परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पत्रांक सं0 मेमो / न.पं.ब.बा. / 2024–25 दिनांक 14–08–2024

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0–3137 / 22

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती

बमभोले
बनाम
रामलौट आदि

1. रामलौट पुत्र रामलाल 2. गोविन्द पुत्र बुधई 3. रामतीरथ पुत्र बुधई 4. रामजनक पुत्र बुधई 5. रामकेवल पुत्र बुधई 6. झिनकू पुत्र दुर्बल 7. ओम प्रकाश पुत्र मरचाई 8. अनुपमा पत्नी मरचाई 9. ग्राम सभा / अध्यक्ष / भूमि प्रबंधक समिति / ग्राम सभा कोठवा भरतपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 03 माह 08 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0–

अदालत– श्रीमान तहसीलदार बस्ती सदर बस्ती जिला–बस्ती

रमन अग्रहरी
बनाम
रामकेश आदि

1. रामवृक्ष पुत्र रामपियारे 2. चन्द्रशेखर पुत्र हरीराम 3. आज्ञाराम पुत्र रामअजोर 4. प्रेमा देवी पत्नी हरीराम 5. रामकेश पुत्र राम पियारे 6. पूर्णमासी पुत्र चौथीराम साकिनान मौजा किठिऊरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 60 / 2023

जगमोहन
बनाम
दानबहादुर आदि

4. इरफान अहमद पुत्र इश्तियाक अहमद साकिन देवमी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 6. राकेश उर्फ बब्लू पुत्र रामकेवल उर्फ बवाली 9. सचिन नावालिग पुत्र मुन्ना ववलायत संदीप भाई हकीकी साकिनान मौजा पिकौरा शिवगुलाम मालवीय रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 10. सुग्गा पत्नी नवरंग निवासी रन्जीत कालोनी पिकौरा शिवगुलाम पो0 गांधी नगर जिला बस्ती 11. नन्दनी पत्नी दिनेश साकिन ढोरिका पो0 सियरापार तहसील व जिला बस्ती 12. अन्जली पत्नी जुग्गी उर्फ कृष्णचन्द्र साकिन डिहिया पो0 खोरिया तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com